B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- षष्ठ

आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-G 613	**संस्कृत भाषाविज्ञान की मूल बातें**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A) भाषाविज्ञान का परिचय और भाषाओँ का वर्गीकरण
खण्ड –ख (Section–B) स्वर विज्ञान और ध्वनि-विज्ञान

खण्डख- ग(SectionC)रूपविज्ञान और वाक्यरचना
खण्ड –घ(Section–D) शब्दार्थविज्ञान

पाठ्यक्रम के उद्देश्य- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत में वर्णित भाषाविज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त को अवगत कराना है । इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र भाषाविज्ञान के मूलभूत सिद्धन्त को समझ कर उच्च अध्ययन में सक्षम होंगे ।

पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-

- इससे छात्रों को भाषविज्ञान की जानकारी होगी तथा भाषा के परस्पर संबन्धों की जानकरी होगी ।
- इससे छात्र भाषिक भेदभाव को भूलकर एक संगठित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे ।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
भाषाविज्ञान का परिचय और भाषाओं का वर्गीकरण

घटक (Unit)- 1– भाषाविज्ञान का परिचय भाषा और भाषाविज्ञान ।
घटक (Unit)- 2 - भाषाओं का वर्गीकरण : भारतीय भाषा परिवार ।

खण्ड –ख (Section–B)
ध्वनि-विज्ञान का अध्ययन (स्वनविज्ञान)

घटक (Unit) –1ध्वनि अध्ययन के आधार - 1. औच्चारणिक ध्वनि विज्ञान 2. सांवहनिक

या प्रासरणिक ध्वनिविज्ञान 3. श्रावणिक ध्वनिविज्ञान ।

2. व्यंजनों के वर्गीकरण के आधार **-** प्रयत्न**,** स्थान तथा प्राणत्व के आधार पर

खण्ड- ग(Section-C)

रूपविज्ञान और वाक्य रचना

घटक (Unit) –1 शब्द, वाक्य

खण्ड –घ(Section–D)

शब्दार्थविज्ञान

घटक (Unit) –1

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड "क" के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

अनुशंसित ग्रन्थ (Suggested Books/Readings)

1. तिवारी, भोलानाथ , तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974.
2. तिवारी, भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1992.
3. द्विवेदी, कपिलदेव, भाषाविज्ञान एव भाषाशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.
4. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2014
5. व्यास, भोलाशंकर, संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, चौखम्बा विद्याभवन, 1957.

1. Burrow,T.,SanskritLanguage(alsotrans.intoHindibyBholashankarVyas) , ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi,1991.
2. Crystal,David,TheCambridgeEncyclopediaofLanguage,Cambridge,19

97.
Ghosh, B.K., Linguistic Introduction to Sanskrit, Sanskrit Pustak Bhandar,Calcutta,1977.
4. Gune, P.D., Introduction to Comparative Philology, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan, Delhi,2005.
5. Jesperson,Otto,Language:ItsNature,DevelopmentandOrigin,GeorgeAllen & Unwin, London,1954.
6. Murti, M., An Introduction to Sanskrit Linguistics, D.K. Srimannarayana, Publication, Delhi,1984.
7. Taraporewala,ElementsoftheScienceofLanguage,CalcuttaUniversityPress, Calcutta,1962.
8. Verma, S.K., Modern Linguistics, Oxford University Press,Delhi, Woolner,A.C.,IntroductiontoPrakrit,BhartiyaVidyaPrakashan,Varanasi